रणथम्भौर में शुक्रवार को बाघिन टी-61 की मौत हो गई, वन विभाग के कर्मचारियों को जंगल के ज़ोन नम्बर-7 से बाघिन का शव मिला। रणथम्भौर अभयारण्य के अधिकारियों का कहना है कि इसकी मौत संभवतः किसी ऊंची चट्टान से गिर जाने से हुई है। बाघिन टी-61 को जन्म के बाद पहली बार वर्ष 2011 में देखा गया था।

350 कश्मीरी पंडितों ने सरकारी सेवा से सामूहिक इस्तीफा दिया

जैसा कि विदित है कि, आतंकियों ने ऑफिस में घुसकर राजस्व विभाग में क्लर्क राहुल भट की हत्या कर दी थी , कश्मीरी पंडित इस घटना के विरोध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं

श्रीनगर 13 मई (वार्ता)। कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या की हत्या के विरोध में, बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भट की हत्या के विरोध में 350 कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को अपना इस्तीफा भेज दिया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भेजे गए इस्तीफे में इन कर्मचारियों ने कहा है कि वे राहुल भट की हत्या के बाद खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनके पास सामूहिक इस्तीफा देने के अलावा कोई चारा नहीं है। ये सभी कश्मीरी पंडित प्रधानमंत्री पैकेज के कर्मचारी हैं। राहुल भट की हत्या से गुस्साए कश्मीरी पंडितों का कहना है कि उनको निशाना बनाकर लगातार उन पर हमले हो रहे हैं और सरकार उन्हें सुरक्षा देने में नाकाम रही है।

शुक्रवार को कश्मीरी पंडितों की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे कश्मीरी पंडितों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। जैसा कि विदित है कि, बडगाम जिले के चदूरा में राजस्व विभाग के एक अधिकारी एवं कश्मीरी पंडित राहुल भट की गुरुवार को उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी मौत को लेकर विभिन्न स्थानों पर विरोध हुआ और व्यापक निंदा हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि, पुलिस ने बडगाम जिले से श्रीनगर एयरपोर्ट रोड की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे कश्मीरी पंडितों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के जीवन की रक्षा करने में कथित विफलता के लिए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की।

इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। जम्मू में शुक्रवार को भट का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर भारी भीड़ मौजूद थी। इस बीच उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सरकारी क्वार्टरों में रहने वाले कश्मीरी पंडितों ने भी हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं सहित प्रदर्शनकारी कुपवाड़ा-श्रीनगर हाईवे पर जमा हो गए और भट के हत्यारों के खिलाफ नारेबाजी की। एक प्रदर्शनकारी ने पूछा, हम जानना चाहते हैं कि हमें क्यों निशाना बनाया जा रहा है और हमारी क्या गलती है।

भट की हत्या पिछले आठ महीनों में कश्मीर में प्रवासी कामगारों और स्थानीय अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की श्रृंखला में सबसे ताजी घटना है। इस साल घाटी में अल्पसंख्यक समुदाय के किसी सदस्य पर यह तीसरा हमला है। इससे पहले गत 13 अप्रैल को कुलगाम में एक राजपूत सतीश कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गत चार अप्रैल को शोपियां जिले में आतंकवादी हमले में एक कश्मीरी पंडित बाल कृष्ण घायल हो गए थे। इस बीच, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट किया, कश्मीर के लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं है।

अगर उप-राज्यपाल की सरकार कश्मीरी पंडितों की रक्षा नहीं कर सकती है, तो लोगों को विरोध करने का अधिकार है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, पर्यटन की सामान्य स्थिति नहीं है, यह आर्थिक गतिविधि का बैरोमीटर है। कश्मीर आज सामान्य स्थिति से बहुत दूर है।

सुब्रतो रॉय की गिरफ्तारी पर स्टे

नई दिल्ली,13 मई (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने ''सहारा इंडिया'' प्रमुख सुब्रत रॉय को पटना उच्च न्यायालय में पेश करने के लिए पुलिस को जारी आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुब्रत रॉय के खिलाफ इस मामले में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगाने का आदेश पारित किया।

उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली सुब्रत राय की याचिका पर सुनवाई के बाद पीठ ने कहा, इस स्तर पर हम पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हैं।

- **पटना हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ही सहारा प्रमुख सुब्रतो रॉय को गिरफ्तार कर पेशी का आदेश दिया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी।**

सहारा इंडिया द्वारा कथित धोखाधड़ी से संबंधित 2,000 से अधिक मामलों की सुनवाई के बाद पटना उच्च न्यायालय ने आज ही यह आदेश पारित किया था। सहारा इंडिया पर हजारों निवेशकों के पैसे वापस नहीं करने के आरोप हैं। उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद सुब्रत राय अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे।

रणथंभौर में बाघिन टी-61 का शव मिला

सवाई माधोपुर, 13 मई (निस)। रणथंभौर में शुक्रवार को बाघिन टी 61 की मौत हो गई।

रणथंभौर के जोन नम्बर 7 के जामोदा वन क्षेत्र में बाघिन का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया।

बाघिन की मौत की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में कर राजबाग नाका वन चौकी पहुंचाया, जहां वन एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में रणथंभौर के पशु चिकित्सकों ने उसके शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। वनाधिकारियों के अनुसार बाघिन टी 61 की मौत प्रथम दृष्टया किसी ऊंची चट्टान से गिरने की वजह से हुई है,

- **बाघिन टी-61 की मौत प्रथम दृष्टया किसी ऊंची चट्टान से गिरने की वजह से हुई।**

हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पायेगा ।

जानकारी के अनुसार बाघिन टी-61 को जन्म के बाद पहली बार 2011 में देखा गया था। ये बाघिन टी-8 (लाडली) व बाघ टी-34 (कुम्भा) की बेटी है। इसकी टेरेटरी जोन 7 व 8 में ही रही है। बाघिन लगभग 12 साल की है। हाल ही में वह बाघ-58 के साथ थी।

तीर्थयात्रियों की बस में आग लगी

जम्मू, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित कटरा से माता वैष्णो देवी के मंदिर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस में आग लगने से कम से कम चार यात्रियों के मारे जाने की आशंका है जबकि 20 से अधिक घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस कटरा से जम्मू की ओर जा रही थी, तभी नोमेन से कुछ किलोमीटर दूर उसमें आग लग गई।

- **इस दुर्घटना में 4 लोग ज़िंदा जले व 20 अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये।**

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट कर कहा,कटरा में बस दुर्घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद अभी जम्मू-कश्मीर के रिआसी की डिप्टी कमिश्नर बबीला रकवाल से बात की। हताहतों के बारे में जानकारी ली गई और घायलों को नारायणा अस्पताल में भर्ती कराया।

यू.ए.ई. के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अबू धाबी के शासक के रूप में सेवाएं दे रहे थे। राष्ट्रपति से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने शेख खलीफा के निधन पर 40 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी मंत्रालय, विभाग, संघीय व स्थानीय संस्थान शुक्रवार से काम करना बंद कर देंगे। शेख खलीफा ने अपने पिता मरहूम शेख जायद बिन सुल्तान अल नाह्यान की जगह ली थी, जिन्होंने 1971 में अमीरात के अस्तित्व में आने के बाद 2 नवंबर 2004 को अपने निधन तक संयुक्त अरब अमीरात के पहले राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं दी थीं।

राहुल दूसरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक रामकेश मीणा सहित काफी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गंगापुर सिटी स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन राहुल गांधी दूसरे रूट से उदयपुर चले गए। राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी मेवाड़ एक्सप्रेस की बजाय दूसरी ट्रेन से अलवर होते हुए उदयपुर पहुंचे, जहां उन्हें चिंतन शिविर में भाग लेना था।

मोहाली में इन्टैलीजैंस ब्यूरो के दफ्तर पर रॉकेट हमले में आई.एस.आई. का हाथ था

पंजाब पुलिस ने कहा कि, इसका मुख्य साजिशकर्ता कैनेडा में बसा लखवीर सिंह लांडा है

चंडीगढ़, 13 मई (वार्ता)। पंजाब के मोहाली स्थित प्रदेश खुफिया पुलिस मुख्यालय पर नौ मई को रॉकेट के जरिये ग्रनैड हमले का मुख्य साजिशकर्ता कैनेडा में बसा गिरोहबाज लखवीर सिंह लांडा है।

यह जानकारी आज पुलिस महानिदेशक वीके भावरा ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि, हमले की साजिश लांडा ने पाकिस्तान की आई.एस.आई. के करीबी हरविंदर सिंह रिंदा के साथ मिलकर रची थी। उन्होंने बताया कि, घटना बब्बर खालसा इंटरनैशनल और गिरोहबाजों ने मिलकर की है और उन्हें आई.एस.आई. की मदद हासिल थी।

उन्होंने कहा कि हमले की जांच काउंटर इंटेलिजेंस ने की और हमले के पीछे सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि हमले में पांच गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और बाकी तीन, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल थे, को भी जल्दी गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपियों में जगदीप कांग, कंवर बाथ, बलजीत कौर, आनंद दीप

- **पंजाब पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को देश के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया है।**
- **घटना बब्बर खालसा इंटरनैशनल और गिरोहबाजों ने मिलकर की है और उन्हें आई.एस.आई. की मदद हासिल थी।**

सोनू और बलजिंदर सिंह रैंबो शामिल हैं। इनमें जगदीप कांग को छोड़कर सभी तरण तारण से हैं। कांग मोहाली से बताया जाता है और आरोप है कि हमलावर उसके साथ रुके थे। कांग ने ही चढ़त सिंह के साथ मिलकर रेकी की थी।

एक सवाल कि खुफिया पुलिस मुख्यालय को निशाना बनाने का क्या कारण था, के जवाब में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पुलिस व सैन्य ठिकाने आतंकियों के निशाने पर होते ही हैं।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि लांडा, जो मूल रूप से तरण तारण से है और 2017 में कनाडा में जा बसा, तरण तारण के ही निशान सिंह से संपर्क में था। निशान सिंह को दो दिन पहले किसी और मामले में फरीदकोट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक और आरोपी है चढ़त सिंह, जो तरण तारण से है।

'पार्टी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके उद्घाटन भाषण के अनुसार शिविर के अधिकांश भाग में मोदी को कोसने की उम्मीद है और कुछ चर्चा संगठन पर और इस पर कि पार्टी को आगे बढ़ना है तथा उस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए बदलाव करने हैं।

उम्मीद है कि राहुल, अधिकाधिक युवा लोगों को संगठन में शामिल करने का दबाव बनाना जारी रखेंगे और यही उन सीनियर और युवा नेताओं के बीच की दुःखती रग है जिन्हें राहुल गांधी द्वारा प्रमोट किया जा रहा है।

राहुल सत्र के समापन वाले दिन, 15 मई को बोलेंगे। इस दिन सी.डब्ल्यु.सी. की भी मीटिंग होगी जिसमें सबजैक्ट्स कमेटीज़ की सिफारिशों की पुष्टि की जाएगी। सबजैक्ट्स कमेटीज़ की आज मीटिंग हुई थी और ये अपने विचार-विमर्श कल भी जारी रखेंगी।

शिविर में भविष्य के रोड मैप के रूप में और इसे लेकर कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए पार्टी को स्वयं को किस तरह से तैयार करना है, के बारे में एक घोषणा पत्र लाया जाएगा।

कमेटी की सिफारिशें...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वही यहां यह भी कहा गया है कि जो लोग पद पर रहकर बेहतर काम करेंगे उन्हें पारितोषिक दिया जाना चाहिए, वही जो लोग काम नहीं करते उन्हें अलग कर देना चाहिए। संगठन की इस कमेटी ने पार्टी में अनुशासन को भी कड़ाई से लागू करने की बात कही है।

माकन ने कहा कि इस बात की भी सिफारिश की गई है कि ने पार्टी में लगातार 5 साल तक एक ही पद पर काम करने के बाद किसी को लगातार वह पद नहीं दिया जाए। कम से कम 3 साल का कूलिंग पीरियड रहे। तीन साल के गैप के बाद ही आगे कोई पद दिया जाए। हालांकि यह नियम सिर्फ संगठन स्तर पर ही लागू होगा। सांसद-विधायक या किसी भी रूप में चुनाव जीत कर आने वाले जनप्रतिनिधि पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसे लेकर माकन ने कहा- क्योंकि इनका चुनाव सीधे जनता करती है। दरअसल, कांग्रेस नेता के परिवार के किसी दूसरे सदस्य को टिकट तभी दिया जाएगा, जब वह पांच साल से एक्टिव हो, यदि कोई नया सदस्य कांग्रेस में आता है तो उसे पहले 5 साल संगठन में काम करना होगा, उसके बाद ही टिकट मिलेगा। वहीं यह भी तय किया है कि अब पैराशूट उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। हालांकि यह बात खुद राहुल गांधी ने कांग्रेस अधिवेशन में भी कही थी लेकिन उसके बाद बड़ी संख्या में पैराशूटी उम्मीदवार चुनाव में उतारे गए थे। उस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष रहे कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ को, जहां टिकट दिए गए थ, वहीं हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा के दबाव में दीपेंद्र हुड्डा को राज्यसभा भेजना पड़ा था। इन बड़े उदाहरण के अलावा बहुत से उदाहरण है, जहां कुछ दबंग परिवारों के दो या तीन लोग लगातार दबाव की राजनीति करके पद या टिकट हासिल करते रहे हैं। संगठन स्तर पर और बड़े बदलाव की बात करते हुए माकन ने कहा कि पार्टी में अब यह भी विचार किया जा रहा है कि बूथ और ब्लॉक लेवल के बीच 3 से 5 मंडल बनाए जाएं, ताकि बूथ स्तर की कमेटी और ब्लॉक कमेटी के बीच जो फासला है, उसमें कार्यकर्ताओं का समावेश ज्यादा हो सके।

कश्मीर में आतंकियों के मददगार प्रोफैसर सहित तीन कर्मचारी सेवा से बर्खास्त

ये कर्मचारी आतंकियों के लिए ग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे तथा उनको हर प्रकार की मदद दिया करते थे

श्रीनगर, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने आतंकवादियों से साथ कथित तौर पर ताल्लुक रखने के लिए कश्मीर यूनिवर्सिटी (के.यू) के एक प्रोफेसर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान सहित अपने तीन कर्मचारियों को शुक्रवार को बर्खास्त कर दिया। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

बर्खास्त कर्मचारियों में कश्मीर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल शिक्षा विभाग के एक शिक्षक मोहम्मद मकबूल हजाम और चयन ग्रेड कांस्टेबल गुलाम रसूल शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन कर्मचारियों को कथित तौर पर आतंकवादियों से संबंध रखने और

- **बर्खास्त कर्मचारियों में कश्मीर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल शिक्षा विभाग के एक शिक्षक मोहम्मद मकबूल हजाम और चयन ग्रेड कांस्टेबल गुलाम रसूल शामिल हैं।**
- **वहीं एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने बडगाम में मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार दिया।**

विभिन्न संगठनों के आतंकवादियों के सहयोगियों (ओवर ग्राउंड वर्कर) के रूप में काम करने के लिए बर्खास्त किया गया है।

उन्होंने कहा, देश के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत मामलों की जांच और सिफारिश करने के लिए नामित समिति ने तीन कर्मचारियों को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश की है।

इन प्रावधानों के तहत सरकारी कर्मचारियों को तभी बर्खास्त किया जा सकता है, जब राष्ट्रपति या उपराज्यपाल इस बात से संतुष्ट हों कि देश की सुरक्षा के हित में इस तरह की जांच करना व्यावहारिक नहीं है। बर्खास्त कर्मचारियों के पास एकमात्र रास्ता बचता है कि वे सरकार के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दें। वहीं दूसरी ओर आतंकियों के खिलाफ एक और कामयाबी हासिल करते हुये। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। बांदीपोरा में पिछले दो दिनों में यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 11 मई को जिले के सालिंदर वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक स्थानीय आतंकवादी मारा गया था।

जिस होटल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए आवेदन किया। जब वर्ष 2017 में यूआईटी सचिव ने भूमि रूपांतरण की स्वीकृति नहीं दी तो संभागीय आयुक्त के एक आदेश की आड़ में सरकार ने स्वीकृति किस आधार पर दी समझ से बाहर है। होटल निर्माण की फाइल प्रकिया के तहत लगनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सारी प्रकियाओं को ताक में रखकर होटल निर्माण की अनुमति प्रदान करा दी, इसमें मुख्यमंत्री के ओएसडी की अहम भूमिका रही है। इससे स्पष्ट है कि इस होटल के गहलोत परिवार के आर्थिक सम्बन्ध है। यह रास्ता जो चौड़ा करके बनाया है, वह होटल के राजस्व रिकार्ड में अब भी दर्ज नहीं है। आज भी यह नदी है। उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी सारे कानूनों को ताक में रखकर सीएमओ के निर्देश के बाद यूआईटी सचिव उज्जवल राठौड़ ने 2019 में गैर कानूनी रूप से नदी मार्ग का होटल निर्माण के लिए भूमि का रूपांतरण कर दिया।

इस होटल से पीछे जुड़ती हुई बिलानाम (सरकारी) भूमि पर होटल मालिक ने अतिक्रमण कर लिया। जबकि यहां गोगमाल गांव का बोजडा नाका नाई पर वन विभाग सालों से वृक्षारोपण कर रहा था।

उन सारे पेड़ों को होटल मालिक ने काट दिया और जमीन को अपने कब्जे में होटल का विस्तार कर दिया और 250 करोड़ की होटल का नक्शा होटल मालिक ने गैर कानूनी रूप से सम्बन्धित ग्राम पंचायत से वर्ष 2012 में पास करवाया। वर्ष 2012 से 2014 तक कोई निर्माण नहीं कराए जाने के कारण ग्राम पंचायत की स्वीकृति का आदेश स्वतः ही निष्प्रभावी हो गया। वैसे अकेली ग्राम पंचायत इतनी बडी होटल के निर्माण की स्वीकृति के लिए अधिकृत नहीं थी। इसके लिए एक कमेटी निर्णय करती है। वर्ष 2014 में यह क्षेत्र उदयपुर के पैरीफेरी में आ गया। होटल का नक्शा वैध नहीं है फिर भी होटल का निर्माण करा दिया गया।

किरोड़ी ने कहा कि मैं उदयपुर में कांफ्रेन्स करना चाहता था। लेकिन मुझे पत्रकार वार्ता ही करने दी गई। मुझे उदयपुर से गिरफ्तार कर दूसरी जगह छोड़ दिया। इसीलिए मुझे पत्रकार वार्ता जयपुर में करनी पड़ी।

दिल्ली में आग, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूचना शाम 4 बजकर करीब 40 मिनट पर मिली जिसके बाद दमकल की 24 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

पुलिस ने कहा कि, इमारत से निकाले गए 9 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने कहा कि आग मुंडका मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर 544 के पास स्थित इमारत में लगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और इमारत में फंसे लोगों को खिड़की के शीशे तोड़कर निकाला गया तथा घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग से 26 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मौत का आंकड़ा अभी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने कहा कि, शुरुआती जांच में पता चला है कि 3 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में कंपनियों के दफ्तर हैं। उनके मुताबिक, आग इमारत की पहली मंजिल से लगनी शुरू हुई जहां सी.सी.टी.वी. कैमरा और राउटर निर्माता कंपनी का कार्यालय है। पुलिस ने कहा कि, कंपनी का मालिक पुलिस की हिरासत में है। उन्होंने कहा कि, स्थिति पर काबू पाने की कोशिश चल रही है और राहत कार्य भी लगातार जारी है। पुलिस ने कहा कि, दमकल कर्मी मौके पर हैं और स्थिति को नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हैं। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर में मौजूद एक फैक्ट्री से शुरू हुई जिसमें सी.सी.टी.वी. कैमरा और राउटर जैसी चीजों का निर्माण होता है।

निजी आकांक्षाओं को पार्टी हित के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी ने स्वागत भाषण में एक बार फिर वही बातें दोहराई, जो उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में की थी। यानी कि उन्होंने लंबे समय से पार्टी में पदों पर जमे नेताओं से एक तरह से अपील की है कि ''वे लंबे समय से पार्टी के नाम से बहुत कुछ हासिल करते रहे हैं, लेकिन अब कर्ज उतारने का समय है। समय आया है कि हमें संगठन हितों के अधीन काम करना होगा। सबसे आग्रह है कि खुलकर अपने विचार रखें, मगर बाहर एक ही संदेश जाना चाहिए संगठन की मजूबती, मजबूत निश्चय और एकता।''

कांग्रेस को चुनावों में लगातार मिल रही लगातार हार को लेकर चिंतन के बीच सोनिया गांधी ने कहा कि ''हमें मिली विफलताओं से हम बेखबर नहीं हैं। संघर्ष और कठिनाइयों से हमें आगे जाना है। लोगों की उम्मीदों से हम अनजान नहीं है। हमें यह प्रण लेने इकट्ठा हुए हैं। हम आत्मनिरीक्षण कर रहे हैं। यह तय करें कि यहां से निकलें तो एक नए आत्मविश्वास और कमिटमेंट से प्रेरित होकर निकलेंगे।

- **सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि, वे असाधारण परिस्थितियों और विफलताओं से अनजान नहीं, सख्त सुधारों की जरूरत है, जो अब टाले नहीं जा सकते।**
- **कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों के साथ समझौते जारी रखेगी, जो संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।**

पार्टी के अंदर बन रही परिस्थितियों और जनता के बीच वर्तमान में कांग्रेस की अस्वीकार्यता पर उन्होंने यह भी कहा कि ''आज पार्टी के सामने असाधारण परिस्थितियां हैं। असाधारण परिस्थितियों का मुकाबला असाधारण तरीके से ही किया जा सकता है। हर संगठन को जीवित रहने और आगे के लिए भी अपने अंदर पैनापन लाना होता है। हमें सुधारों की सख्त जरूरत है। हमें रणनीतिक बदलाव, ढांचागत सुधार और रोजाना काम करने के तरीके में बदलाव करना है, जो सबसे बुनियादी मुद्दा है। हमारा उत्थान सामूहिक प्रयासों से ही हो पाएगा। ये प्रयास आगे टाले नहीं जा सकते।''

उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार को लेकर कहा कि वह देश में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही है। अल्पसंख्यकों को डराया जा रहा है। धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है, जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश की जा रही है, जिसमें पंडित नेहरू के योगदान और देश के लिए किए गए त्याग को योजनाबद्ध तरीके से कम करके दिखाने का प्रयास हो रहा है। ये लोग महात्मा गांधी के हत्यारे का महिमामंडन कर रहे हैं और गांधी के सिद्धांतों को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा- देश के पुराने मूल्यों को खत्म किया जा रहा है। दलित आदिवासी और महिलाओं में असुरक्षा का माहौल है। देश में डर का माहौल बनाया जा रहा है। भाजपा देश में लोगों को लड़ाने का लगातार प्रयास कर रही है।

इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यूपीए सरकार के समय में इसका ध्यान रखा जाता था कि लोग क्या कहेंगे। आज ये लोग धर्म के नाम पर देश पर काबिज हो गए हैं। धर्म जाति ऐसी चीज है कि आप दंगे भड़का सकते हैं। अब राजस्थान तो टारगेट में नंबर वन है। दंगाई का, सीबीआई, ईडी का छापा शुरू हो जाता है। इनके लोग दूध के धुले हैं, इन पर कोई छापा नहीं पड़ता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मेजबान के नाते सभी का स्वागत किया।

इससे पहले मीडिया से बात करते हुए राजनीतिक सुधारों को लेकर पार्टी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान हालातों में कांग्रेस समान विचारधारा वाले उन राजनीतिक दलों के साथ समझौते जारी रखेगी जो संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।

नीट पी.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीजी-2022-23 परीक्षा कोविड की विध्वंसकारी वैश्विक महामारी के कारण हुए तीन वर्षों के व्यवधान के बाद 21 मई को आयोजित हो रही है।

जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक बैंच ने यह टिप्पणी करते हुए कि नीट पीजी की परीक्षा में पहले ही चार महीने का विलम्ब हो चुका है और देश के अस्पतालों में की सीनियर रेजिडैन्ट डॉक्टर्स के सिर्फ दो बैच ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, कहा कि इससे और विलम्ब होने के गंभीर परिणाम निकलेंगे और अस्पतालों में रोगियों की देखभाल पर क्रमिक रूप से असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं 21 मई को परीक्षा आयोजित करने का निर्णय एक नीतिगत निर्णय है जिसमें अदालतों द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की बहुत कम संभावना है। हस्तक्षेप तभी किया जा सकता है, जबकि इसमें प्रथम दृष्टया कोई कानूनी त्रुटि या विवाद हो।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908